

(1) பக்கங்களின் எண்ணிக்கை

30 (27)

(2) புதுக்கித் திருப்பிய நாள்

(3) ஆதாரங் குறிப்பவர் சுருக்கொப்பம்

தமிழ்நாடு ஆவணக் காப்பகம்.

தமிழ்நாடு அரசு

திரு. சி. சி. சி. துறை

அரசாணை எண்.

மு. கோப்புத் தாள் எண்.

365

அச்சகம்.

பலவகை

நாள்:

199

மடிக்கவோ சுண்டபடி கையாளவோ கூடாது.

2 Cpf of [unclear]
sent to Dr G. Hultgren
Bangalore

1/17/89

Public f.v. $\frac{265}{25/4/89}$

No. 145. 8. 5. 1889.

On Her Majesty's Service



To

The Assistant Secretary to Government,

Chief Secretariat,

Madras.

For the Govt
10/5

Recd 12/5

E. H. H. H. H.

RECEIVED BY THE S. OF S. I.

No. 109.

From

Dr. G. Hultsch,

Epigraphist,

Archaeological

965/1

To

Dr

Sir,

I have

perused report

On the 18th Feb

Temple by way

up to the 6th

floor, I discovered

in Canvas of

the Western

Survived Trib

in making out

dates are recorded

Uthmaniyah

varsha, which

reaches (Ind

began with the

The two per

and 47th years

111

1. 1891-92
 2. 1892-93
 3. 1893-94
 4. 1894-95
 5. 1895-96
 6. 1896-97
 7. 1897-98
 8. 1898-99
 9. 1899-1900
 10. 1900-1901
 11. 1901-1902
 12. 1902-1903
 13. 1903-1904
 14. 1904-1905
 15. 1905-1906
 16. 1906-1907
 17. 1907-1908
 18. 1908-1909
 19. 1909-1910
 20. 1910-1911
 21. 1911-1912
 22. 1912-1913
 23. 1913-1914
 24. 1914-1915
 25. 1915-1916
 26. 1916-1917
 27. 1917-1918
 28. 1918-1919
 29. 1919-1920
 30. 1920-1921
 31. 1921-1922
 32. 1922-1923
 33. 1923-1924
 34. 1924-1925
 35. 1925-1926
 36. 1926-1927
 37. 1927-1928
 38. 1928-1929
 39. 1929-1930
 40. 1930-1931
 41. 1931-1932
 42. 1932-1933
 43. 1933-1934
 44. 1934-1935
 45. 1935-1936
 46. 1936-1937
 47. 1937-1938
 48. 1938-1939
 49. 1939-1940
 50. 1940-1941
 51. 1941-1942
 52. 1942-1943
 53. 1943-1944
 54. 1944-1945
 55. 1945-1946
 56. 1946-1947
 57. 1947-1948
 58. 1948-1949
 59. 1949-1950
 60. 1950-1951
 61. 1951-1952
 62. 1952-1953
 63. 1953-1954
 64. 1954-1955
 65. 1955-1956
 66. 1956-1957
 67. 1957-1958
 68. 1958-1959
 69. 1959-1960
 70. 1960-1961
 71. 1961-1962
 72. 1962-1963
 73. 1963-1964
 74. 1964-1965
 75. 1965-1966
 76. 1966-1967
 77. 1967-1968
 78. 1968-1969
 79. 1969-1970
 80. 1970-1971
 81. 1971-1972
 82. 1972-1973
 83. 1973-1974
 84. 1974-1975
 85. 1975-1976
 86. 1976-1977
 87. 1977-1978
 88. 1978-1979
 89. 1979-1980
 90. 1980-1981
 91. 1981-1982
 92. 1982-1983
 93. 1983-1984
 94. 1984-1985
 95. 1985-1986
 96. 1986-1987
 97. 1987-1988
 98. 1988-1989
 99. 1989-1990
 100. 1990-1991
 101. 1991-1992
 102. 1992-1993
 103. 1993-1994
 104. 1994-1995
 105. 1995-1996
 106. 1996-1997
 107. 1997-1998
 108. 1998-1999
 109. 1999-2000
 110. 2000-2001
 111. 2001-2002
 112. 2002-2003
 113. 2003-2004
 114. 2004-2005
 115. 2005-2006
 116. 2006-2007
 117. 2007-2008
 118. 2008-2009
 119. 2009-2010
 120. 2010-2011
 121. 2011-2012
 122. 2012-2013
 123. 2013-2014
 124. 2014-2015
 125. 2015-2016
 126. 2016-2017
 127. 2017-2018
 128. 2018-2019
 129. 2019-2020
 130. 2020-2021
 131. 2021-2022
 132. 2022-2023
 133. 2023-2024
 134. 2024-2025
 135. 2025-2026
 136. 2026-2027
 137. 2027-2028
 138. 2028-2029
 139. 2029-2030
 140. 2030-2031
 141. 2031-2032
 142. 2032-2033
 143. 2033-2034
 144. 2034-2035
 145. 2035-2036
 146. 2036-2037
 147. 2037-2038
 148. 2038-2039
 149. 2039-2040
 150. 2040-2041
 151. 2041-2042
 152. 2042-2043
 153. 2043-2044
 154. 2044-2045
 155. 2045-2046
 156. 2046-2047
 157. 2047-2048
 158. 2048-2049
 159. 2049-2050
 160. 2050-2051
 161. 2051-2052
 162. 2052-2053
 163. 2053-2054
 164. 2054-2055
 165. 2055-2056
 166. 2056-2057
 167. 2057-2058
 168. 2058-2059
 169. 2059-2060
 170. 2060-2061
 171. 2061-2062
 172. 2062-2063
 173. 2063-2064
 174. 2064-2065
 175. 2065-2066
 176. 2066-2067
 177. 2067-2068
 178. 2068-2069
 179. 2069-2070
 180. 2070-2071
 181. 2071-2072
 182. 2072-2073
 183. 2073-2074
 184. 2074-2075
 185. 2075-2076
 186. 2076-2077
 187. 2077-2078
 188. 2078-2079
 189. 2079-2080
 190. 2080-2081
 191. 2081-2082
 192. 2082-2083
 193. 2083-2084
 194. 2084-2085
 195. 2085-2086
 196. 2086-2087
 197. 2087-2088
 198. 2088-2089
 199. 2089-2090
 200. 2090-2091
 201. 2091-2092
 202. 2092-2093
 203. 2093-2094
 204. 2094-2095
 205. 2095-2096
 206. 2096-2097
 207. 2097-2098
 208. 2098-2099
 209. 2099-2100
 210. 2100-2101
 211. 2101-2102
 212. 2102-2103
 213. 2103-2104
 214. 2104-2105
 215. 2105-2106
 216. 2106-2107
 217. 2107-2108
 218. 2108-2109
 219. 2109-2110
 220. 2110-2111
 221. 2111-2112
 222. 2112-2113
 223. 2113-2114
 224. 2114-2115
 225. 2115-2116
 226. 2116-2117
 227. 2117-2118
 228. 2118-2119
 229. 2119-2120
 230. 2120-2121
 231. 2121-2122
 232. 2122-2123
 233. 2123-2124
 234. 2124-2125
 235. 2125-2126
 236. 2126-2127
 237. 2127-2128
 238. 2128-2129
 239. 2129-2130
 240. 2130-2131
 241. 2131-2132
 242. 2132-2133
 243. 2133-2134
 244. 2134-2135
 245. 2135-2136
 246. 2136-2137
 247. 2137-2138
 248. 2138-2139
 249. 2139-2140
 250. 2140-2141
 251. 2141-2142
 252. 2142-2143
 253. 2143-2144
 254. 2144-2145
 255. 2145-2146
 256. 2146-2147
 257. 2147-2148
 258. 2148-2149
 259. 2149-2150
 260. 2150-2151
 261. 2151-2152
 262. 2152-2153
 263. 2153-2154
 264. 2154-2155
 265. 2155-2156
 266. 2156-2157
 267. 2157-2158
 268. 2158-2159
 269. 2159-2160
 270. 2160-2161
 271. 2161-2162
 272. 2162-2163
 273. 2163-2164
 274. 2164-2165
 275. 2165-2166
 276. 2166-2167
 277. 2167-2168
 278. 2168-2169
 279. 2169-2170
 280. 2170-2171
 281. 2171-2172
 282. 2172-2173
 283. 2173-2174
 284. 2174-2175
 285. 2175-2176
 286. 2176-2177
 287. 2177-2178
 288. 2178-2179
 289. 2179-2180
 290. 2180-2181
 291. 2181-2182
 292. 2182-2183
 293. 2183-2184
 294. 2184-2185
 295. 2185-2186
 296. 2186-2187
 297. 2187-2188
 298. 2188-2189
 299. 2189-2190
 300. 2190-2191
 301. 2191-2192
 302. 2192-2193
 303. 2193-2194
 304. 2194-2195
 305. 2195-2196
 306. 2196-2197
 307. 2197-2198
 308. 2198-2199
 309. 2199-2200
 310. 2200-2201
 311. 2201-2202
 312. 2202-2203
 313. 2203-2204
 314. 2204-2205
 315. 2205-2206
 316. 2206-2207
 317. 2207-2208
 318. 2208-2209
 319. 2209-2210
 320. 2210-2211
 321. 2211-2212
 322. 2212-2213
 323. 2213-2214
 324. 2214-2215
 325. 2215-2216
 326. 2216-2217
 327. 2217-2218
 328. 2218-2219
 329. 2219-2220
 330. 2220-2221
 331. 2221-2222
 332. 2222-2223
 333. 2223-2224
 334. 2224-2225
 335. 2225-2226
 336. 2226-2227
 337. 2227-2228
 338. 2228-2229
 339. 2229-2230
 340. 2230-2231
 341. 2231-2232
 342. 2232-2233
 343. 2233-2234
 344. 2234-2235
 345. 2235-2236
 346. 2236-2237
 347. 2237-2238
 348. 2238-2239
 349. 2239-2240
 350. 2240-2241
 351. 2241-2242
 352. 2242-2243
 353. 2243-2244
 354. 2244-2245
 355. 2245-2246
 356. 2246-2247
 357. 2247-2248
 358. 2248-2249
 359. 2249-2250
 360. 2250-2251
 361. 2251-2252
 362. 2252-2253
 363. 2253-2254
 364. 2254-2255
 365. 2255-2256
 366. 2256-2257
 367. 2257-2258
 368. 2258-2259
 369. 2259-2260
 370. 2260-2261
 371. 2261-2262
 372. 2262-2263
 373. 2263-2264
 374. 2264-2265
 375. 2265-2266
 376. 2266-2267
 377. 2267-2268
 378. 2268-2269
 379. 2269-2270
 380. 2270-2271
 381. 2271-2272
 382. 2272-2273
 383. 2273-2274
 384. 2274-2275
 385. 2275-2276
 386. 2276-2277
 387. 2277-2278
 388. 2278-2279
 389. 2279-2280
 390. 2280-2281
 391. 2281-2282
 392. 2282-2283
 393. 2283-2284
 394. 2284-2285
 395. 2285-2286
 396. 2286-2287
 397. 2287-2288
 398. 2288-2289
 399. 2289-2290
 400. 2290-2291
 401. 2291-2292
 402. 2292-2293
 403. 2293-2294
 404. 2294-2295
 405. 2295-2296
 406. 2296-2297
 407. 2297-2298
 408. 2298-2299
 409. 2299-2300
 410. 2300-2301
 411. 2301-2302
 412. 2302-2303
 413. 2303-2304
 414. 2304-2305
 415. 2305-2306
 416. 2306-2307
 417. 2307-2308
 418. 2308-2309
 419. 2309-2310
 420. 2310-2311
 421. 2311-2312
 422. 2312-2313
 423. 2313-2314
 424. 2314-2315
 425. 2315-2316
 426. 2316-2317
 427. 2317-2318
 428. 2318-2319
 429. 2319-2320
 430. 2320-2321
 431. 2321-2322
 432. 2322-2323
 433. 2323-2324
 434. 2324-2325
 435. 2325-2326
 436. 2326-2327
 437. 2327-2328
 438. 2328-2329
 439. 2329-2330
 440. 2330-2331
 441. 2331-2332
 442. 2332-2333
 443. 2333-2334
 444. 2334-2335
 445. 2335-2336
 446. 2336-2337
 447. 2337-2338
 448. 2338-2339
 449. 2339-2340
 450. 2340-2341
 451. 2341-2342
 452. 2342-2343
 453. 2343-2344
 454. 2344-2345
 455. 2345-2346
 456. 2346-2347
 457. 2347-2348
 458. 2348-2349
 459. 2349-2350
 460. 2350-2351
 461. 2351-2352
 462. 2352-2353
 463. 2353-2354
 464. 2354-2355
 465. 2355-2356
 466. 2356-2357
 467. 2357-2358
 468. 2358-2359
 469. 2359-2360
 470. 2360-2361
 471. 2361-2362
 472. 2362-2363
 473. 2363-2364
 474. 2364-2365
 475. 2365-2366
 476. 2366-2367
 477. 2367-2368
 478. 2368-2369
 479. 2369-2370
 480. 2370-2371
 481. 2371-2372
 482. 2372-2373
 483. 2373-2374
 484. 2374-2375
 485. 2375-2376
 486. 2376-2377
 487. 2377-2378
 488. 2378-2379
 489. 2379-2380
 490. 2380-2381
 491. 2381-2382
 492. 2382-2383
 493. 2383-2384
 494. 2384-2385
 495. 2385-2386
 496. 2386-2387
 497. 2387-2388
 498. 2388-2389
 499. 2389-2390
 500. 2390-2391
 501. 2391-2392
 502. 2392-2393
 503. 2393-2394
 504. 2394-2395
 505. 2395-2396
 506. 2396-2397
 507. 2397-2398
 508. 2398-2399
 509. 2399-2400
 510. 2400-2401
 511. 2401-2402
 512. 2402-2403
 513. 2403-2404
 514. 2404-2405
 515. 2405-2406
 516. 2406-2407
 517. 2407-2408
 518. 2408-2409
 519. 2409-2410
 520. 2410-2411
 521. 2411-2412
 522. 2412-2413
 523. 2413-2414
 524. 2414-2415
 525. 2415-2416
 526. 2416-2417
 527. 2417-2418
 528. 2418-2419
 529. 2419-2420
 530. 2420-2421
 531. 2421-2422
 532. 2422-2423
 533. 2423-2424
 534. 2424-2425
 535. 2425-2426
 536. 2426-2427
 537. 2427-2428
 538. 2428-2429
 539. 2429-2430
 540. 2430-2431
 541. 2431-2432
 542. 2432-2433
 543. 2433-2434
 544. 2434-2435
 545. 2435-2436
 546. 2436-2437
 547. 2437-2438
 548. 2438-2439
 549. 2439-2440
 550. 2440-2441
 551. 2441-2442
 552. 2442-2443
 553. 2443-2444
 554. 2444-2445
 555. 2445-2446
 556. 2446-2447
 557. 2447-2448
 558. 2448-2449
 559. 2449-2450
 560. 2450-2451
 561. 2451-2452
 562. 2452-2453
 563. 2453-2454
 564. 2454-2455
 565. 2455-2456
 566. 2456-2457
 567. 2457-2458
 568. 2458-2459
 569. 2459-2460
 570. 2460-2461
 571. 2461-2462
 572. 2462-2463
 573. 2463-2464
 574. 2464-2465
 575. 2465-2466
 576. 2466-2467
 577. 2467-2468
 578. 2468-2469
 579. 2469-2470
 580. 2470-2471
 581. 2471-2472
 582. 2472-2473
 583. 2473-2474
 584. 2474-2475
 585. 2475-2476
 586. 2476-2477
 587. 2477-2478
 588. 2478-2479
 589. 2479-2480
 590. 2480-2481
 591. 2481-2482
 592. 2482-2483
 593. 2483-2484
 594. 2484-2485
 595. 2485-2486
 596. 2486-2487
 597. 2487-2488
 598. 2488-2489
 599. 2489-2490
 600. 2490-2491
 601. 2491-2492
 602. 2492-2493
 603. 2493-2494
 604. 2494-2495
 605. 2495-2496
 606. 2496-2497
 607. 2497-2498
 608. 2498-2499
 609. 2499-2500
 610. 2500-2501
 611. 2501-2502
 612. 2502-2503
 613. 2503-2504
 614. 2504-2505
 615. 2505-2506
 616. 2506-2507
 617. 2507-2508
 618. 2508-2509
 619. 2509-2510
 620. 2510-2511
 621. 2511-2512
 622. 2512-2513
 623. 2513-2514
 624. 2514-2515
 625. 2515-2516
 626. 2516-2517
 627. 2517-2518
 628. 2518-2519
 629. 2519-2520
 630. 2520-2521
 631. 2521-2522
 632. 2522-2523
 633. 2523-2524
 634. 2524-2525
 635. 2525-2526
 636. 2526-2527
 637. 2527-2528
 638. 2528-2529
 639. 2529-2530
 640. 2530-2531
 641. 2531-2532
 642. 2532-2533
 643. 2533-2534
 644. 2534-2535
 645. 2535-2536
 646. 2536-2537
 647. 2537-2538
 648. 2538-2539
 649. 2539-2540
 650. 2540-2541
 651. 2541-2542
 652. 2542-2543
 653. 2543-2544
 654. 2544-2545
 655. 2545-2546
 656. 2546-2547
 657. 2547-254

1. The first of these is a
 fragment of a copper plate
 which was found at the
 site of the temple of
 the goddess of the
 city of Vijayanagar.
 It is a fragment of a
 larger plate which
 contained a list of
 the names of the
 rulers of the city.
 The fragment contains
 the names of the
 rulers of the city
 from the time of
 the first ruler to
 the time of the
 last ruler.
 The fragment is
 a very valuable
 addition to the
 history of the city.
 It is a fragment of
 a larger plate which
 contained a list of
 the names of the
 rulers of the city.
 The fragment contains
 the names of the
 rulers of the city
 from the time of
 the first ruler to
 the time of the
 last ruler.

3

25/3

1. The first of these is a
 fragment of a copper plate
 which was found at the
 site of the temple of
 the goddess of the
 city of Vijayanagar.
 It is a fragment of a
 larger plate which
 contained a list of
 the names of the
 rulers of the city.
 The fragment contains
 the names of the
 rulers of the city
 from the time of
 the first ruler to
 the time of the
 last ruler.

3. The
 a provisional list of
 which were copies
 curious among the
 copies of four
 which were made
 Deva - Yādavara
 rebuilding of the
 to have contained
 the deity of Tirum
 probable that
 existence at the
 Rajaraja and R.
 fragments of two
 Pāṇḍya-deva
 remaining in
 Vijayanagar

Handwritten text in a cursive script, likely a letter or a journal entry. The text is written in a dark ink on a light-colored paper. The handwriting is somewhat slanted and compact. The text is arranged in a single column, with some lines starting with capital letters. The overall appearance is that of a personal or official communication from the late 18th or early 19th century.

4

5
97/5

68) mention of
Anna and Te
Krishnasaga. That
that Krishnasaga
Gajapati, person
and captured
Sp. As
will fully occupy
Season, and as
the proof sheets of
camp and without
returned, with you
on the 20th of
volume of Fort-
Stuck off, the
up the remainder
rapidly and have
five new slip
will be ready for
by the time the
volume contains
can be sent to p

Handwritten text at the top of the right page.

Handwritten text below the top header.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text at the bottom of the right page.

Handwritten text at the top of the left page.

Handwritten text below the top header.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

Handwritten text below the previous line.

list at Tirumalai.

List of inscription

Name of King or Chief.	Date.
Krishnaraja	Taka 1362 fixed, Rha
do.	do.
do.	365/2 do. 365/4
do.	Taka 1418, Rha
do.	Taka 1403 fixed, Rha
Trishwanachalawartha	[11] year
Narasimharaja	Taka 1397 fixed, Man
Abdullah Raja	Taka 1381 fixed, Rha
No. Vira Rajarajawarman	[12] year
No. Paratharajawarman	[13] year
No. Paratharajawarman	[14] year
Trishwanachalawartha	Taka 1384 fixed, Rha
do.	do.
(Narasimharaja)	Taka 1373 fixed, Rha
(Narasimharaja)	Taka 1369 fixed, Rha
Trishwanachalawartha	[15] year
Trishwanachalawartha	[16] year
Sundara	Taka 1445 fixed, Rha
Krishnaraja	12

W. T. Wilson

18th April 1889

No 313 of 1889.

The Director Genl. Archaeolog. Survey of India:

To The Chief Secretary to Government,
Fort St George, Madras:

Bangalore 18th April, 1889

GOVERNMENT OF MADRAS
SECRETARY
26 APR 1889

Sir

I have the honour to forward herewith Dr. Kultzsch's progress report for the months of February & March. It records as usual a good deal of work done in the field in copying inscriptions which will now be worked up in office.

The obstructiveness of the Mahant at Tirupati in refusing the Brahman Assistant to copy the inscriptions in the inner prakāra of the Temple may be noted. There is no rational excuse for his conduct, and the disapproval of it by Government might lead to a better policy elsewhere. A review at Tirupati at some future date.

It is satisfactory to learn that the Government printer is now advancing more rapidly with the printing of Dr. Kultzsch's first volume.

I have the honour to be

Sir,

Your most obed^t servant

J. Burgess.

D. G. Archaeolog. Survey

Recd 365 S 28/4/89

ence the under-mention

MEMOR

С. 1098

from the Director Genl. of
the U.S. Geol. Survey of Min.

C. 1058
For letters

with ref to para 2
of Kelly's report & para 2
of 17th covering letter
The influence of the Coll.
appears to have been already
used, but without success
Hence the Governor might
perhaps write to the Archd.
Green
15th

I have submitted that it would
perhaps be better to pass such
order expressing the regret of Govt.
that the merchant would not
permit \$1000.00 to go into
the inner temple and see that
it is kept in safe hands and
the hope that he will on any
future occasion not object and
to forward this through the
Cable to the merchant.

16 Apr

I think Sir it is probable that
there were by some sick friends of
Tripals which would pay a price

Visit C 17 apr

In 16-4
21-4

Public DEPARTMENT

[6]

Papers to be read in Proceedings :—

Again G.O., dated

188 , No.

Again G.O., dated

188 , No

Current No. 1058

of 1885, dated *4 April* from

The D. G. Arch?
Perry

Current No.

of 188 , dated

from

Order 25 Abt. / 89 v. 365

Recorded

2. H.S. in C regrets that the
Mechanic refused to permit
Dr. Hullysch's Mechanism assisted
to enter the inner part of the
Tinnulari Temple at Upper Tinfeti,
× trusts that on a future occasion
permission to do this may be
secured.

(From orders)
LSEN
m/4

Y^e Hon^{ble} S. J. & S.

re re (satirizing)
re re best fr.

The Merchant of Venice (New)

Wm. H. W. W. W.
The Editors Table;

Retd. 10/5/57

Order on Dr. Hultzsch's
Last Progress Report
(From order)

150

25TH APRIL 1889, No. 365, PUBLIC.

13/5

GOVERNMENT OF MADRAS.

PUBLIC DEPARTMENT.

READ—the following paper :—

From J. BURGESS, Esq., LL.D., C.I.E., Director-General of the Archaeological Survey of India, to the Chief Secretary to Government, dated Bangalore, 4th April 1889, No. 313.

I have the honor to forward, herewith, Dr. Hultzsch's progress report for the months of February and March. It records as usual a good deal of work done in the field in copying inscriptions which will now be worked up in office.

2. The obstructiveness of the Mahant at Tirupati in refusing the Brahman Assistant to copy the inscriptions in the inner prakara of the temple may be noted. There is no rational excuse for his conduct, and the disapproval of it by Government might lead to a better policy elsewhere and even at Tirupati at some future date.

3. It is satisfactory to learn that the Government printer is now advancing more rapidly with the printing of Dr. Hultzsch's first volume.

ENCLOSURE.

From Dr. E. HULTZSCH, Epigraphist, Archaeological Survey of Southern India, to the Director-General, Archaeological Survey of India, dated Bangalore, 2nd April 1889, No. 109.

I have the honor to submit my progress report for February and March 1889. On the 1st February I left Hospet and reached Tirupati by way of Bellary, Gooty and Cuddapah on the 6th idem. On a visit to the fort of Gooty I discovered three very rough rock inscriptions in Canarese of Tribhuvanamalla, i.e., of the Western Chalukya king Vikramaditya VI, surnamed Tribhuvanamalla, and succeeded in making out the dates of two of them. These dates are recorded in the new era started by Vikramaditya VI, the Chalukya-Vikrama-varsha, which, according to Mr. Fleet's researches (*Indian Antiquary*, Vol. VIII), began with the king's accession in A.D. 1075-76. The two inscriptions are dated in the 46th and 47th years, which corresponded to the cyclic years *Plava* and *Subhakrit*, i.e., A.D. 1121-22 and 1122-23. Close to the inscriptions of Vikramaditya VI, there is a short rock-inscription (No. 52 of 1888-89) which, as noticed by Mr. Sewell (*Lists of Antiquities*, Vol. I, p. 150), mentions the Vijayanagara king Bukka (*Bukkakshonibhartri*). It consists of six lines which contain one Sanskrit verse in praise of "the best of mountains called Guttidurga" or the fort of Gooty.

2. The numerous inscriptions of the temple at Lower Tirupati were left uncopied, as they belong to the later kings of Vijayanagara and possess scarcely any historical importance. The temple on the holy mountain (*Tirumalai*) of Upper Tirupati is presumably of a more ancient date. As Europeans are not permitted to enter it, and as Government had granted me privilege leave for one calendar month, of which I availed myself for the period from the 11th February to 10th March, the task of copying the Tirumalai inscriptions devolved on my Assistant, V. Venkayya, M.A. He has taken impressions of those which he considered most important. But, in spite of the kind offices of the Collector of North Arcot, the Mahant of Tirupati persistently withheld from my Assistant, though he is a Brahmin, the permission of entering the innermost prakara. This is much to be regretted, as an inspection of the central part of the temple might have led to the discovery of ancient and important inscriptions. Our endeavours to obtain a view of the copper-plate grants, of which the temple is supposed to possess two cart-loads (Sewell's *List of Antiquities*, Vol. I, p. 153), were equally unsuccessful.

3. The subjoined appendix contains a provisional list of those Tirumalai inscriptions which were copied by my Assistant. The most curious among them are modern and very faulty copies of four Chola inscriptions (Nos. 61 to 64), which were made in the time of Vira-Narasimha-deva-Yadavaraya on the occasion of a rebuilding of the temple. The originals seem to have contained grants to Tiruvengada-deva, the deity of Tirumalai. Consequently, it is very probable that the

temple was already in existence in the time of the Chola kings Rajaraja and Rajendra-Chola. There are also fragments of two inscriptions of Sundara-Pandya-deva (Nos. 70 and 72). Most of the remaining inscriptions belong to the second Vijayanagar dynasty. Two of them (Nos. 65 and 66) mention gifts made by Chinnaji-Amma and Tirupalamma, two queens of Krishnaraya. Three others (Nos. 53 to 55) record that Krishnaraya attacked Prataparudra-Gajapati, pursued him as far as Kondavidu and captured the fort of Udayagiri.

4. As the materials now on hand will fully occupy me until the next camping season, and as I found it difficult to correct the proof-sheets of my forthcoming volume in camp and without books of reference, I returned, with your permission, to head-quarters on the 20th March. Pages 1 to 60 of my first volume of South Indian inscriptions having been struck off, the Government Press are setting up the remainder of the manuscript very rapidly and have up to date sent me twenty-five new slip-proofs. I hope that the volume will be ready for issue in a few months, and that by that time the manuscript of the second volume containing the Tanjore inscriptions can be sent to press.

APPENDIX.

List of inscriptions copied at Tirumalai.

Place of Inscription.	Name of King or Chief.	Date.	Language.
53. Second prakara, south wall.	Krishnaraya	Saka 1436 expired, Bhava.	Telugu.
54. Do. do. ..	Do.	Do.	Canarese.
55. Do. do. ..	Do.	Do.	Tamil.
56. Do. east wall.	Do.	Do.	Canarese.
57. Do. left of entrance.	Timmaraaja, son of Mallayadeva ..	Saka 1403 expired, Plava.	Tamil.
58. Do. do. do. ..	Tribhuvanachakravartin Tiruven-	[8th] year.	Do.
59. Do. east wall.	gadanatha-Yadavaraya.	Saka 139[7] expired,	Tamil and Grantha.
60. First prakara, north wall.	Narasimhadewa (?)	Mahmatha.	Tamil.
61. Do. do. ..	Ahobalaraja-Kampayadeva ..	Saka 1381 expired, Bahu-	Do.
62. Do. do. ..	raja.	dhanya.	Do.
63. Do. do. ..	Ko-Vira-Rajarajendravarmman ..	16th year	Do.
64. Do. do. ..	Ko-Paratra (!) Mahendravarmman ..	14th year	Do.
65. Do. do. ..	Ko-Paratravarmman (!) ..	14th year	Do.
66. Do. do. ..	Ko-Paratrakesarivarmman (!), alias	7th year	Do.
67. Do. do. ..	Rajendra-Sora-deva.	Saka 1434 expired, Angi-	Telugu.
68. Do. do. ..	Krishnaraya	ra[sa].	Do.
69. Do. do. ..	Do.	Do.	Tamil.
70. Left of entrance into the	(Narasimharaja-udaiyar)	Saka 1393 expired, Khara.	Tamil and Grantha.
71. Do. do. ..	(Narasimharaja-udaiyar)	Saka 1384 expired, Chit-	Tamil.
72. Right of entrance into the		rabhanu.	Tamil and Grantha.
73. Do. do. ..			Tamil.
74. On a stone in front of a	Tribhuvanachakravartin Sundara-		Do.
house in the north main	Pandya-[dava].		Grantha.
street.	Tribhuvanachakravartin Sri-Vira-	[2nd] year	Tamil.
	[N]arasimhadewa Yadavaraya.		
	Sundara-Pandya-deva		
	Krishnaraya	Saka 1445 expired, Svab-	
		hanu.	

ORDER—dated 25th April 1889, No. 365, Public.

Recorded.

2. His Excellency in Council regrets that the Mahant refused to permit Dr. Hultzsch's Brahmin Assistant to enter the inner part of the Tirumalai temple at Upper Tirupati, and trusts that on a future occasion permission to do this may be accorded.

(True Extract.)

Chief Secretary.

To the Director-General, Archaeological Survey.

"Dr. Rost, Librarian, India Office.

"the Mahant of Tirupati (through the Collector of North Arcot).

Exd. W. H. French.

Dr. E. Hultzsch

the First Assistant, Archaeological Survey.

R. Sewall Esq.

Secretary, Royal Asiatic Society.

President, Asiatic Society - Bengal.

Secretary, Madras Literary Society.

V. A. Smith Esq. - Bengal. C. L. Sen Esq.

Desp. 18/5/89.

Gob. of {1889} Madras.

PUBLIC.

Issued

Recd.

Encl.

G.O., 25th April 1889, No. 365.

APRIL.

Epigraphy.

Recording, with remarks, the progress report of Dr. E. Hultzsch; the Government Epigraphist, for February and March 1889.

25TH APRIL 1889, No. 365, PUBLIC.

GOVERNMENT OF MADRAS.

PUBLIC DEPARTMENT.

READ—the following paper :—

From J. BURGESS, Esq., LL.D., C.I.E., Director-General of the Archæological Survey of India, to the Chief Secretary to Government, dated Bangalore, 4th April 1889, No. 313.

I have the honor to forward, herewith, Dr. Hultzsch's progress report for the months of February and March. It records as usual a good deal of work done in the field in copying inscriptions which will now be worked up in office.

2. The obstructiveness of the Mahant at Tirupati in refusing the Brahman Assistant to copy the inscriptions in the inner prakara of the temple may be noted. There is no rational excuse for his conduct, and the disapproval of it by Government might lead to a better policy elsewhere and even at Tirupati at some future date.

3. It is satisfactory to learn that the Government printer is now advancing more rapidly with the printing of Dr. Hultzsch's first volume.

ENCLOSURE.

From Dr. E. HULTZSCH, Epigraphist, Archæological Survey of Southern India, to the Director-General, Archæological Survey of India, dated Bangalore, 2nd April 1889, No. 109.

I have the honor to submit my progress report for February and March 1889. On the 1st February I left Hospet and reached Tirupati by way of Bellary, Gooty and Cuddapah on the 6th idem. On a visit to the fort of Gooty I discovered three very rough rock-inscriptions in Canarese of Tribhuvanamalladeva, i.e., of the Western Chalukya king Vikramaditya VI, surnamed Tribhuvanamalla, and succeeded in making out the dates of two of them. These dates are recorded in the new era started by Vikramaditya VI, the Chalukya-Vikrama-varsha, which, according to Mr. Fleet's researches (*Indian Antiquary*, Vol. VIII), began with the king's accession in A.D. 1075-76. The two inscriptions are dated in the 46th and 47th years, which corresponded to the cyclic years *Plava* and *Subhakrit*, i.e., A.D. 1121-22 and 1122-23. Close to the inscriptions of Vikramaditya VI, there is a short rock-inscription (No. 52 of 1888-89) which, as noticed by Mr. Sewell (*Lists of Antiquities*, Vol. I, p. 150), mentions the Vijayanagara king Bukka (*Bukkakshonibhartri*). It consists of six lines which contain one Sanskrit verse in praise of "the best of mountains called Guttidurga" or the fort of Gooty.

2. The numerous inscriptions of the temple at Lower Tirupati were left uncopied, as they belong to the later kings of Vijayanagara and possess scarcely any historical importance. The temple on the holy mountain (*Tirumalai*) of Upper Tirupati is presumably of a more ancient date. As Europeans are not permitted to enter it, and as Government had granted me privilege leave for one calendar month, of which I availed myself for the period from the 11th February to 10th March, the task of copying the Tirumalai inscriptions devolved on my Assistant, V. Venkayya, M.A. He has taken impressions of those which he considered most important. But, in spite of the kind offices of the Collector of North Arcot, the Mahant of Tirupati persistently withheld from my Assistant, though he is a Brahmin, the permission of entering the innermost prakara. This is much to be regretted, as an inspection of the central part of the temple might have led to the discovery of ancient and important inscriptions. Our endeavours to obtain a view of the copper-plate grants, of which the temple is supposed to possess two cart-loads (*Sewell's Lists of Antiquities*, Vol. I, p. 153), were equally unsuccessful.

3. The subjoined appendix contains a provisional list of those Tirumalai inscriptions which were copied by my Assistant. The most curious among them are modern and very faulty copies of four Chola inscriptions (Nos. 61 to 64), which were made in the time of Vira-Narasimhadaya-Yadavaraya on the occasion of a rebuilding of the temple. The originals seem to have contained grants to Tiruvengada-deva, the deity of Tirumalai. Consequently, it is very probable that the temple was already in existence in the time of the Chola kings Rajaraja and Rajendra-Chola. There are also fragments of two inscriptions of Sundara-Pandya-deva (Nos. 70 and 72). Most of the remaining inscriptions belong to the second Vijayanagar dynasty. Two of them (Nos. 65 and 66) mention gifts made by Chinnaji-Amma and Tirumalamma, two queens of Krishnaraya. Three others (Nos. 53 to 55) record that Krishnaraya attacked Prataparudra-Gajapati, pursued him as far as Kondavidu and captured the fort of Udayagiri.

4. As the materials now on hand will fully occupy me until the next camping season, and as I found it difficult to correct the proof-sheets of my forthcoming volume in camp and without books of reference, I returned, with your permission, to head-quarters on the 20th March. Pages 1 to 60 of my first volume of South-Indian inscriptions having been struck off, the Government Press are setting up the remainder of the manuscript very rapidly and have up to date sent me twenty-five new slip-proofs. I hope that the volume will be ready for issue in a few months, and that by that time the manuscript of the second volume containing the Tanjore inscriptions can be sent to press.

APPENDIX.

LIST of inscriptions copied at Tirumalai.

Place of Inscription.	Name of King or Chief.	Date.	Language.
53. Second prakara, south wall.	Krishnaraya	Saka 1436 expired, Bhava.	Telugu.
54. Do. do. ..	Do.	Do. do. ..	Canarese.
55. Do. do. ..	Do.	Do. do. ..	Tamil.
56. Do. east wall, left of entrance.	Do.	Saka 14363, Bhava ..	Canarese.
57. Do. do. do. ..	Timmaraja, son of Mallayadeva ..	Saka 1403 expired, Plava-	Tamil.
58. Do. do. do. ..	Tribhuvanachakravartin Tiruven-	[8th] year.	Do.
	gadanatha-Yadavaraya.		
59. Do. east wall right of entrance.	Narasimhadeva (?)	Saka 139[7] expired, Manmatha.	Tamil and Grantha.
60. First prakara, north wall.	Ahobalaraja-Kampayadeva-maha-	Saka 1381 expired, Bahu-	Tamil.
	raja.	dhanya.	
61. Do. do. ..	Ko-Vira-Rajarajendravarman ..	16th year	Do.
62. Do. do. ..	Ko-Paratra (!)-Mahendravarman ..	14th year	Do.
63. Do. do. ..	Ko-Paratravarman (!)	14th year	Do.
64. Do. do. ..	Ko-Paratrakesarivarman (!), alias	7th year	Do.
	Rajendra-Sora-deva.		
65. Do. do. ..	Krishnaraya	Saka 1434 expired, Angi-	Telugu.
		ra[sa].	
66. Do. do. ..	Do.	Do. do. ..	Do.
67. Do. west wall ..	(Narasimharaja-udaiyar)	Saka 1393 expired, Khara.	Tamil.
68. Do. south wall ..			Tamil and Grantha.
69. Do. do. ..	(Narasimharaja-udaiyar)	Saka 1384 expired, Chit-	Tamil.
		rabhanu.	
70. Left of entrance into the first prakara.	Tribhuvanachakravartin Sundara-		Tamil and Grantha.
	Pandya-[deva].		
71. Do. do. ..	Tribhuvanachakravartin Sri-Vira-		Tamil.
	[N]arasimhadeva Yadavaraya.		
72. Right of entrance into the first prakara, inside.	Sundara-Pandya-deva	[2nd] year	Do.
73. Do. do. outside ..			Grantha.
74. On a stone in front of a house in the north main street.	Krishnaraya	Saka 1445 expired, Sva-	Tamil.
		bhanu.	

ORDER—dated 25th April 1889, No. 365, Public.

Recorded.

2. His Excellency in Council regrets that the Mahant refused to permit Dr. Hultzsch's Brahmin Assistant to enter the inner part of the Tirumalai temple at Upper Tirupati, and trusts that on a future occasion permission to do this may be accorded.

(True Extract.)

J. F. PRICE,
Chief Secretary.

To the Director-General, Archaeological Survey.

" Dr. E. Hultzsch.

" the First Assistant, Archaeological Survey.

" R. Sewell, Esq.

" the Secretary, Royal Asiatic Society.

" the President, Asiatic Society, Bengal.

" the Secretary, Madras Literary Society.

" V. A. Smith, Esq., Bengal Civil Service.

" Dr. Rost, Librarian, India Office.

" the Mahant of Tirupati (through the Collector of North Arcot).

The Editor's Table.

Exd. W. H. French.

Govt. of {1889} Madras.
PUBLIC.

Issued.

Recd.

Encl.

G.O., 25th April 1889, No. 365.

APRIL.

Epigraphy.

Recording, with remarks, the progress report
of Dr. E. Hultzsch, the Government Epigraphist,
for February and March 1889.

READ AGAIN Order of Government, dated
188 , No.

BACK PAPER, No.

or 188 .

FURTHER PAPER, No.

or 188 .

ENCLOSURES.

CURRENT No.

STATEMENT WITH DITTO.

ORDER, &c. OF GOVERNMENT—A.

PAPERS KEPT OUT OF FILE FOR DESPATCH IN ORIGINAL.
(not paged.)

NUMBER OF COPIES
REQUIRED.

Order complete. 150
Letter only.
Order complete with Letter.

N.B.—

A = Print in full.
B = Not to be printed.
P = Print abstract only.
Q = Print heading only.
R = Print, but not for monthly volume.

ORDINARY, PRINTED.

Public DEPARTMENT.
G.O., DATED 25-4-89
No. 365.

First copy sent to Press. 29/4

Returned for signature. 18/5

Despatched in print. 18/5

[Despatch Abstract.]

Epigraphy

*Recommg, with remarks,
the progress report of
Dr S. Hiltysch, the
Govt Epigraphist, for
February & March 89.*

ORDINARY, PRINTED.

DEPARTMENT.
G.O., DATED
No.

First copy sent to Press.

Returned for signature.

Despatched in print.

[Despatch Abstract.]

Tamil.	53. Second pedestal, do
Telugu.	54. do. do. do.
Sanskrit.	55. do. do. do.
Tamil.	56. do. do. do.
Sanskrit.	57. do. do. do.
Tamil.	58. do. do. do.
do.	59. do. do. do.
Tamil and Grantha.	60. First pedestal, North wall.
Tamil.	61. do. do. do.
do.	62. do. do. do.
do.	63. do. do. do.
do.	64. do. do. do.
do.	65. do. do. do.
Telugu.	66. do. do. do.
do.	67. do. do. do.
Tamil.	68. do. do. do.
Tamil and Grantha.	69. do. do. do.
Tamil.	70. Left of entrance into the first pedestal.
Tamil and Grantha.	71. do. do. do.
Tamil.	72. Right of entrance into the first pedestal.
do.	73. do. do. do.
Grantha.	74. On a stone in front of a house in the North Main Street.
Tamil.	2

assistant, though he is a Brahmin, entering the innermost. It is regretted, as an inspection of the temple might have led to ancient and important discoveries. To obtain a view of which the temple is two centuries old (Sewall's List. C.I., p. 153), were equally

Subjoined, appendix contains those Tirumalai inscriptions I saw by my assistant. The most

on the occasion of a temple. The original seen I grant to Tirumalai. It is very old. Consequently it is very old. The temple was already in the time of the Chola Kings. There are also inscriptions of Pandara. (Nos. 70 and 73). Most of the inscriptions belong to the Second century. Two of them (Nos. 65 and

1128-23. Close to the Kramaditya St. there is a inscription (No. 52 of 1128-23) by Mr. Sewall (List of C.I., p. 153). Mentions the king Rattala (Rattala). It consists of six lines. One Sanskrit verse in praise of mountains called Guttat of Guttat.

Numerous inscriptions in Tirupati were left on the later king's Vijayam

of. I hope that the volume is a few months, and that manuscript of the second in the Tanjore inscriptions

I have the honour to be, Sir, your most obedient servant,
E. K. K. K.
Epigraphist.

365/21